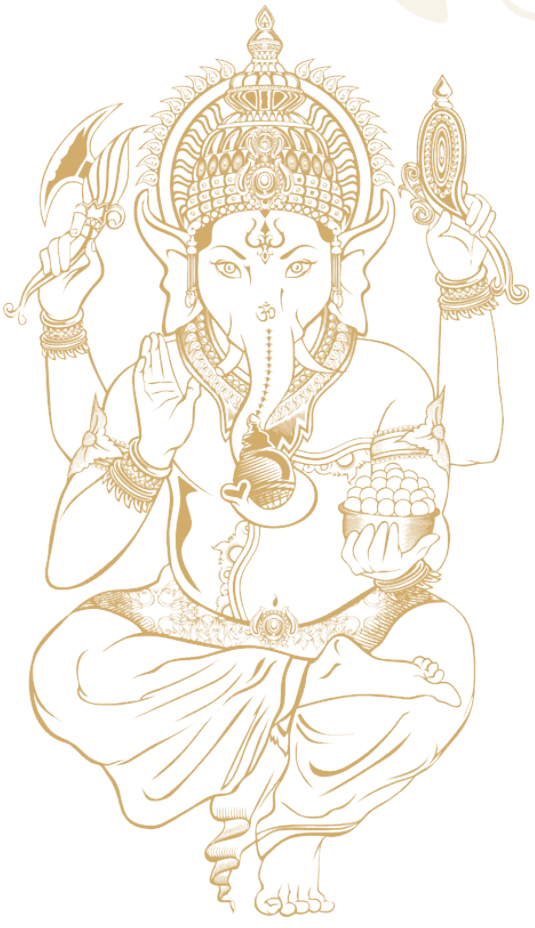

Hardik Sonthalia

06 Oct 2015

10:54 PM

Hyderabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 120733804

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**06/10/2015**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**22:54:26 घंटे**
इष्ट	41:57:20 घटी
स्थान	**Hyderabad**
राज्य	Telangana
देश	India

अक्षांश	17:22:00 उत्तर
रेखांश	78:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:16:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:38:10 घंटे
वेलान्तर	00:11:43 घंटे
साम्पातिक काल	23:38:23 घंटे
सूर्योदय	06:07:29 घंटे
सूर्यास्त	18:01:22 घंटे
दिनमान	11:53:53 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	19:03:37 कन्या
लग्न के अंश	08:06:26 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	सिद्ध
करण	वणिज
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	हो-होशियार
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	08:06:26	329:18:06	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	---
सूर्य			कन्या	19:03:37	00:59:10	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	सम राशि
चंद्र			कर्क	10:30:33	12:19:16	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	सूर्य	स्वराशि
मंगल			सिंह	13:10:29	00:37:16	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मित्र राशि
बुध	व		कन्या	07:34:12	00:30:33	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	केतु	उच्च राशि
गुरु			सिंह	17:55:28	00:12:02	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	मंगल	मित्र राशि
शुक्र			सिंह	04:18:33	00:47:29	मघा	2	10	सूर्य	केतु	चंद्र	शत्रु राशि
शनि			वृश्चि	07:26:08	00:05:29	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	शत्रु राशि
राहु			कन्या	06:53:21	00:00:53	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	बुध	मूलत्रिकोण
केतु			मीन	06:53:21	00:00:53	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मीन	24:38:54	00:02:25	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	---
नेप	व		कुंभ	13:25:41	00:01:16	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	---
प्लूटो			धनु	18:55:51	00:00:21	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	---
दशम भाव			मीन	00:02:03	--	पू०भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:04:38

लग्न-चलित

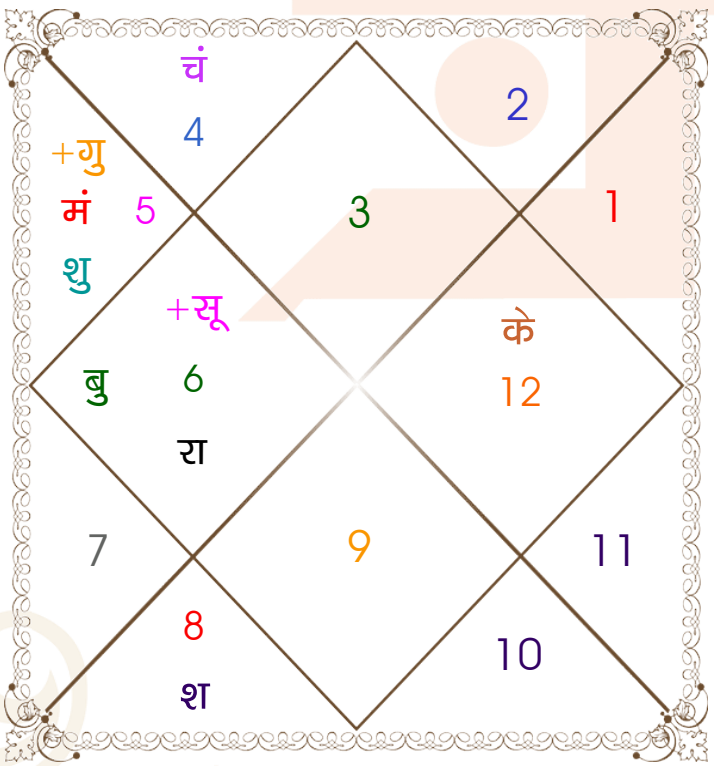

चन्द्र कुंडली

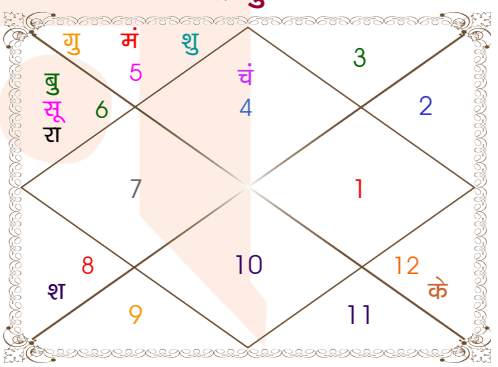

नवमांश कुंडली

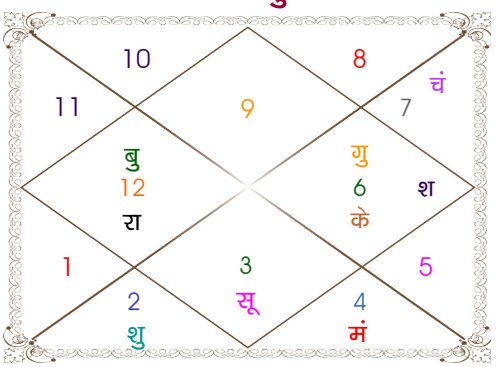

Pandit Chidamber Mishra
9246159232

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 8 वर्ष 9 मास 8 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
06/10/2015		15/07/2024		16/07/2041		15/07/2048		15/07/2068	
15/07/2024		16/07/2041		15/07/2048		15/07/2068		16/07/2074	
	00/00/0000	बुध	12/12/2026	केतु	12/12/2041	शुक्र	15/11/2051	सूर्य	02/11/2068
	00/00/0000	केतु	09/12/2027	शुक्र	11/02/2043	सूर्य	14/11/2052	चंद्र	03/05/2069
	00/00/0000	शुक्र	09/10/2030	सूर्य	19/06/2043	चंद्र	16/07/2054	मंगल	08/09/2069
	06/10/2015	सूर्य	15/08/2031	चंद्र	18/01/2044	मंगल	15/09/2055	राहु	03/08/2070
सूर्य	18/06/2016	चंद्र	14/01/2033	मंगल	15/06/2044	राहु	15/09/2058	गुरु	22/05/2071
चंद्र	17/01/2018	मंगल	11/01/2034	राहु	03/07/2045	गुरु	16/05/2061	शनि	03/05/2072
मंगल	26/02/2019	राहु	31/07/2036	गुरु	09/06/2046	शनि	15/07/2064	बुध	10/03/2073
राहु	02/01/2022	गुरु	05/11/2038	शनि	19/07/2047	बुध	16/05/2067	केतु	16/07/2073
गुरु	15/07/2024	शनि	16/07/2041	बुध	15/07/2048	केतु	15/07/2068	शुक्र	16/07/2074

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
16/07/2074		15/07/2084		16/07/2091		17/07/2109		17/07/2125	
15/07/2084		16/07/2091		17/07/2109		17/07/2125		00/00/0000	
चंद्र	16/05/2075	मंगल	11/12/2084	राहु	28/03/2094	गुरु	04/09/2111	शनि	19/07/2128
मंगल	15/12/2075	राहु	30/12/2085	गुरु	21/08/2096	शनि	17/03/2114	बुध	29/03/2131
राहु	15/06/2077	गुरु	06/12/2086	शनि	28/06/2099	बुध	22/06/2116	केतु	07/05/2132
गुरु	15/10/2078	शनि	15/01/2088	बुध	15/01/2102	केतु	29/05/2117	शुक्र	08/07/2135
शनि	15/05/2080	बुध	11/01/2089	केतु	03/02/2103	शुक्र	28/01/2120	सूर्य	07/10/2135
बुध	15/10/2081	केतु	09/06/2089	शुक्र	02/02/2106	सूर्य	15/11/2120		00/00/0000
केतु	16/05/2082	शुक्र	09/08/2090	सूर्य	28/12/2106	चंद्र	17/03/2122		00/00/0000
शुक्र	15/01/2084	सूर्य	15/12/2090	चंद्र	28/06/2108	मंगल	21/02/2123		00/00/0000
सूर्य	15/07/2084	चंद्र	16/07/2091	मंगल	17/07/2109	राहु	17/07/2125		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 8 वर्ष 9 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ है। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ धनु का नवमांश एवं मिथुन राशि का ही द्रेष्काण भी उदित हो रहा था। मिथुन लग्न की आकृति के फलस्वरूप यह प्रभाव स्पष्ट है कि आपका जीवन पूर्ण रूपेण उत्थान-पतन से युक्त तथा बार-बार उत्थान पतन का कारक भी है। यदि आप सतर्क नही रहे तो सदैव ही उच्चता एवं नीचता का वातावरण बनता रहेगा तथा आपको अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए तथा विपत्ति अर्थात् दीनता से संघर्ष करने की सभी संभावनाएं क्षीण हो जाएगी। आपको अपने प्रारंभिक जीवन की शुरूआत के साथ ही सतर्कता पूर्वक संबंधित व्यवधानों की रोकथाम की प्रक्रिया भी प्रारंभ करना होगा। लग्न नवमांश के प्रभाव से आपके जीवन में उत्तमता हेतु आशा किरण का उदय आपकी आयु के पचीसवें वर्ष में दृष्टिगत होता है। आप अपनी हठधर्मिता को त्याग कर धैर्य पूर्वक समय की प्रतीक्षा करें। वास्तव में व्यक्तिगत रूप से आपकी कुशाग्रता और आपको अपने आत्मज्ञान के माध्यम से जीवन की दूरी तय करनी चाहिए। यदि आप अपने किसी भी एक चयनित रास्ते पर साहस और एकाग्रता पूर्वक चलते रहे तों सर्वोच्च पद पर पहुंचेगे। आपके लिए पत्रकारिता, लेखन कला, साथ ही कलात्मक कार्य व्यवसाय से आप लाभ प्राप्त करेंगे।

परंतु आपकी ऐसी आदत है कि आप अनिश्चित बाधाओं के प्रति बहुधा सशंकित रहते हैं तथा प्रायः अनिश्चित स्थिति में अर्थात् दुविधापूर्ण वातावरण से आप घिर जाते हैं। आप एक लुढकते हुए पत्थर के समान अपना आचरण रख कर, निश्चित लाभांश प्राप्त करने में असफल रह जाते हैं। आपकी अनुदारता के कारण आपकी चाह रहती है कि संक्षिप्त प्रकार से निर्दिष्ट विषय पर पॉलिस करके मानक विधान को स्वीकार कर, विजय श्री प्राप्त करें।

आप भाग्य की कृपा से किसी एक कार्य को संपादित कर अन्य कार्य का उत्तरदायित्व ग्रहण कर सकते हैं। परंतु आप में एकाग्रता का अभाव विद्यमान है। दिक्कत यह है कि आप इस अभाव को केंद्रीकरण करने के पश्चात् ही किसी भी उत्तरदायीत्व को ग्रहण कर बिना कार्य पूर्ण किए ही अन्य कार्यों को संपादन करने का अवसर अपने हाथ में ले लेते हैं।

अति महत्वाकांक्षा के प्रभाव से आप ऐसा कार्य संचालित कर लेते हैं। क्योंकि आप चमत्कारिक ढंग से धन प्राप्त कर धनी बन जाना चाहते हैं। आपको अपनी आय बढ़ाने की पवृत्ति ऐसी है कि आप यदा-कदा एक ही साथ दो स्थानों पर एक ही समय कोई कार्य प्रारंभ कर, लाभ उपार्जित करने का प्रयास करते हैं। परंतु यह आकस्मिक स्थिति मात्र कुछ समय तक ही प्रभावित रहती है।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप जन सामान्य के साथ तथा इनके द्वारा लोकप्रियता प्राप्त करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाते। आपको एकाग्रतापूर्वक अपने मित्र मंडली में बदलाव लाना होगा। ये लोग आपको सामान्य तरंगित भावनाओं को समझ पाना दुष्कर समझते हैं। अर्थात आप कैसे व्यक्ति हो उनके लिए समझ पाना उतना आसान नही हैं। आप में यह रहस्यमयी शक्ति विद्यमान है कि आप अन्य

किसी की भावनाओं को पूर्ण रूपेण समझ लेते हैं, तथा उसके बाद अपने ढंग से उसको प्रदर्शित करते हैं। आपका स्वभाव निःसंदेह ऐसा है कि आप आश्चर्यजनक प्रभाव से दूसरों को प्रभावित करते हैं। परंतु आप वातावरण को अनुकूल बनाने में अक्षम रहते हैं।

आपको जब कोई भी जीवन की उन्नति के अन्य मार्ग दृष्टिगत नही होते तब आप अपनी क्षमता के अनुरूप अपने धन को लाभजनक कार्य में लगा देते हैं। निम्नांकित बिन्दुओं पर विधानतः तदनुसार आचरण करना चाहिए जो कि आपकी लापरवाही के विरुद्ध जीवन के महत्वपूर्ण सांकेतिक शब्द हैं।

आपके जीवन के लिए महत्वपूर्ण रंग पीला, हरा, ब्लू एवं मोतिया एवं गुलाबी रंग हैं। परंतु हर दशा में रंग काला एवं लाल सर्वथा त्याज्य है।

इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक का व्यवहार सर्वथा प्रतिकूल है। जबकि अंक 7 एवं 3 अंक आपके लिए वास्तव में अनुकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।